2 Garhwal Pos

Dehradun, 15 Sep, 2015

# Hindi Week Celebration concludes at ICFRE

**By OUR STAFF REPORTER**

**DEHRADUN, 14 Sep:** The Indian Council of Forestry Research and Education celebrated Hindi Week from 7 to 14 September. The closing ceremony of the event took place today in the ICFRE Auditorium.

Dr Ashwani Kumar, DG, ICFRE was the Chief Guest on the occasion. The programme began with the lighting of the ceremonial lamp by the Kumar.

He stated that Hindi had its origins in Sanskrit, which was also the source of Indian culture. He said that Hindi was a simple, sweet and very developed language and all should be proud of it. He urged everyone to work the maximum in Hindi in the Council.

Saibal Dasgupta, DDG (Extn), while delivering the welcome address, laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Week. He also spoke about the newly introduced "Rajbhasha Protsahan Puraskar" for encouraging the use of Rajbhasha Hindi amongst the staff of the council.

He said that, if there was a will, it was easy to do daily official work in Hindi.

After the welcome address, the message of the Union Home Minister on the occasion of Hindi Diwas was read by RK Mishra, Research Officer, Media and Extension Division. This was followed by a 'Self -Written Poetry Recitation' competition on the occasion. Including this, four other competitions, namely, 'Noting Drafting Competition'; 'Essay Competition'; 'English to Hindi Translation' and 'Hindi Typing on Computer' were organised during the Hindi Week Celebrations. In all, a total of 41 participants participated in various events. Prizes were distributed to the winners of different competitions held during Hindi Week by the Chief Guest, Dr Ashwani Kumar.

Under "Rajbhasha Protsahan Puraskar", amongst institutes, Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla, was awarded for best performance amongst the institutes situated in 'A' region and Institute of Wood Science and Technology (IWST), Bangalore for best performance amongst the institutes situated in 'C' region. The programme concluded with a vote of thanks by Raja Ram Singh, ADG (M&Extn). More than 100 officers, scientists and employees were present during the closing ceremony.

THE HIMACHAL TIMES

TUESDAY, SEPTEMBER 15, 2015

3

# Hindi Week celebrated at ICFRE

*DEHRADUN, SEP 14 (HTNS)*

**Indian Council of Forestry Research and Education celebrated Hindi Week from Sep 7 to 14. The closing ceremony of the event took place in ICFRE Auditorium, here today.**

Dr Ashwani Kumar, DG, ICFRE was the Chief Guest on the occasion. The programme started with the lighting of the lamp. He stated that Hindi has its origin from Sanskrit, which is also the source of our culture. He said that Hindi is a simple, sweet and very developed language and all of us should be proud of it. He urged everyone to do maximum work in Hindi.

Saibal Dasgupta, DDG (Extn.), while delivering the welcome address, laid emphasis on the importance of Rajbhasha Hindi and informed the audience about the various activities conducted during the Week. He also informed about the newly introduced "Rajbhasha Protsahan Puraskar" for encouraging the use of Hindi amongst the staff of the council. He said that, if there is a will, it is easy to do daily official works in Hindi.

After the welcome address, R K Mishra, Research Officer, Media and Extension Division read the message of Home Minister, Govt of India.

It was followed by a 'Self -Written Poetry Recitation' competition on the occasion. Four other competitions namely, 'Noting Drafting Competition'; 'Essay Competition'; 'English to Hindi Translation' and 'Hindi Typing on Computer' were organized during the Hindi Week celebrations.

In all, 41 participants participated in various events. Dr. Ashwani Kumar distributed prizes to the winners.

Under "Rajbhasha Protsahan Puraskar", Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla was awarded for best performance amongst the institutes situated in 'A' region and Institute of Wood Science and Technology (IWST), Bangalore for best performance amongst the institutes situated in 'C' region.

The programme concluded with vote of thanks by Raja Ram Singh, ADG (M&Extn.). More than 100 officers, scientists and employees were present during the closing ceremony.

9 अमर उजाला देहरादून | मंगलवार | 15 सितंबर 2015

# उज्ज्वल है हिंदी का भविष्य

## एफआरआई में हिन्दी सप्ताह का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में आयोजित हिंदी सप्ताह के समापन अवसर पर महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने कहा कि हिंदी सरल, मधुर और विकसित भाषा है। हम सबको अपनी भाषा पर गर्व है। सारे लोगों को अपनी मातृ भाषा में कार्य करना चाहिए। अत्याधिक सरलता से कार्य अपनी मातृ भाषा में हो सकता है।

मंगलवार को कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महानिदेशक डा. कुमार ने दीप जलाकर किया। उन्होंने कहा कि लोग संकल्प लें कि ज्यादा से ज्यादा कार्य अपनी मातृ भाषा में ही करेंगे। इस मौके पर शैवाल दास गुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) ने राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता तथा कंप्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विजेताओं को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार प्रदान किए। राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों के तहत हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला, काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान बंगलौर को उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2014-15 का राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

4 i next. Dehradun, 15 September 2015

## FRI में हिंदी वीक का समापन

**DEHRADUN:** एफआरआई देहरादून में 7 सितंबर से चल रहे हिंदी सप्ताह का सोमवार को समापन हो गया. इस मौके पर एफआरआई सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने हिंदी के उद्गम पर प्रकाश डाला. मंडे को एफआरआई में हिंदी दिवस के मौके पर हिंदी सप्ताह समारोह का समापन हुआ. समापन अवसर पर एफआरआई महानिदेशक डा.अश्विनी कुमार ने कहा कि हिंदी का उद्गम संस्कृत से हुआ है, जो हमारी संस्कृति का भी उद्गम है. यह एक अत्यंत सरल, मधुर, और विकसित भाषा है. हम सभी को इस पर गर्व है. हिंदी दिवस कार्यक्रम में अनुसंधान अधिकारी रमाकांत मिश्र ने गृह मंत्री का भाषण पढ़कर सुनाया. इसके बाद स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता, लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें 41 प्रतियोगियों ने भाग लिया. चीफ गेस्ट एफआरआई के महानिदेशक डा.अश्विनी कुमार ने विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कार वितरित किए.

8 | दैनिक जागरण देहरादून, 15 सितंबर 2015

## हिंदी का उद्गम संस्कृत से

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा हिंदी सप्ताह मनाया गया। सोमवार को आयोजित समापन समारोह में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। महानिदेशक डॉ. अश्विनी कुमार ने कहा कि हिंदी का उद्गम संस्कृत से है, जो हमारी संस्कृति का भी उद्गम है। यह अत्यंत सरल, मधुर व अति विकसित भाषा है। उप महानिदेशक शैवाल दासगुप्ता ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला।

4 | राष्ट्रीय सहारा

देहरादून। मंगलवार • 15 सितम्बर • 2015

# हमारी संस्कृति की पहचान है हिंदी : महानिदेशक

देहरादून (एसएनबी)। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) में सोमवार को हिंदी सप्ताह का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन अवसर पर स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता के अलावा टिप्पणी लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद व कंप्यूटर पर हिंदी टंकण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। आईसीएफआरई के महानिदेशक डा. अश्विनी कुमार ने समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया।

इस बार परिषद द्वारा राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला व काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान बंगलौर को प्रदान किया गया। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए महानिदेशक डा. कुमार ने कहा कि हिंदी का उद्गम संस्कृत से है जो कि हमारी संस्कृति का भी उद्गम है। यही हमारी संस्कृति की पहचान भी है। उप महानिदेशक शैवल दासगुप्ता ने राजभाषा हिंदी के महत्व पर प्रकाश डाला। अनुसंधान अधिकारी रमाकांत मिश्र, राजा राम सिंह आदि अधिकारी व कर्मचारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

- आईसीएफआरई में हिंदी सप्ताह का समापन समारोह आयोजित
- प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया पुरस्कृत

शाह टाइम्स

देहरादून, मंगलवार, 15 सितम्बर 2015 6

# हिन्दी सरल व मधुर भाषा: अश्विनी

## एफआरआई व शिक्षा परिषद् में हिन्दी सप्ताह का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् में 7 से 14 सितम्बर तक हिन्दी सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। सोमवार को भावाअशिप के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया।

महानिदेशक भावाअशिप डॉ. अश्विनी कुमार मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अश्विनी कुमार ने कहा हिन्दी का उद्गम संस्कृत से है जो कि हमारी संस्कृति का भी उद्गम है। उन्होंने कहा यह एक अत्यंत सरल, मधुर एवं अति विकसित भाषा है। हम सबको इस पर गर्व है। उन्होंने सब को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का आवाहन किया।

उप महानिदेशक (विस्तार) शैवाल दासगुप्ता ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डाला। स्वागत भाषण के बाद हिन्दी दिवस 2015 के अवसर पर दिए गए गृहमंत्री के भाषण को रमाकान्त मिश्र, अनुसंधान अधिकारी मीडिया एवं विस्तार प्रभाग द्वारा पढ़ा गया। तदुपरांत स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके साथ 4 अन्य प्रतियोगिताओं नामत: टिप्पण लेखन प्रतियोगिता निबन्ध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता तथा कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को डॉ. अश्विनी कुमार ने पुरस्कार दिए। विजेताओं के राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर को उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2014-15 का राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। समारोह का समापन सहायक महानिदेशक (मीडिया) राजा राम सिंह एवं धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

The Tribune
CHANDIGARH | TUESDAY | 15 SEPTEMBER 2015



# Hindi Week celebrations end at ICFRE

TRIBUNE NEWS SERVICE

DEHRADUN, SEPTEMBER 14

The Indian Council of Forestry Research and Education (ICFRE) celebrated Hindi Week from September 7 to 14.

Dr Ashwani Kumar, DG, The Indian Council of Forestry Research and Education, who was the chief guest at the closing ceremony, urged the gathering to make the maximum use of the language in their day-to-day work.

Saibal Dasgupta, DDG (extension) stressed on the importance of the language and informed the gathering about various activities conducted during the week.

He also informed about the newly introduced "Rajbhasha Protsahan Puraskar" for encouraging the use of Rajbhasha among the staff of the council.

Meanwhile, a self-written poetry recitation competition, noting drafting competition, essay writing competition; English to Hindi translation' and Hindi typing on computer' were organised during the Hindi Week celebrations.

Himalayan Forest Research Institute (HFRI), Shimla, won the best performance award in the institutes situated in 'A' region category and the Institute of Wood Science and Technology (IWST), Bangalore, bagged the best performance award in the institutes situated in 'C' region category.

More than 100 officials, scientists and employees attended the closing ceremony.

न्यूज़ वायरस



# भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में हिन्दी ससाह का आयोजन

*Posted On 14 Sep 2015 By : NVN Team*

हिन्दी के प्रचार-प्रसार हेतु भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् में दिनांक 07 से 14 सितम्बर 2015 के मध्य हिन्दी ससाह समारोह आयोजित किया गया। आज दिनांक 14 सितम्बर 2015 को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता तथा समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. अष्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.षि.प. मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए डा. अष्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.षि.प. ने कहा हिन्दी का उद्गम संस्कृत से है जो कि हमारी संस्कृति का भी उद्गम है। उन्होने कहा यह एक अत्यंत सरल, मधुर एवं अति विकसित भाषा है। हम सबको इस पर गर्व है। उन्होने सब को अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करने का आवाहन किया।

श्री षैवाल दासगुसा, उप महानिदेषक (विस्तार) ने स्वागत भाषण के दौरान राजभाषा हिन्दी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हिन्दी ससाह के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं का विवरण दिया। परिषद् द्वारा शुरू किए गए नए राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों एवं गत वर्ष में राजभाषा की प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि अगर इच्छा हो तो हिन्दी में सरलता से कार्य किया जा सकता है। स्वागत भाशण के उपरांत हिन्दी दिवस 2015 के अवसर पर दिए गए माननीय गृह मंत्री जी के भाशण को श्री रमाकान्त मिश्र, अनुसंधान अधिकारी, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग द्वारा पढ़ा गया।

तदुपरांत स्वरचित काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इसके साथ 4 अन्य प्रतियोगिताओं नामतः टिप्पण लेखन प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता तथा कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 41 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अतिथि डा. अष्विनी कुमार, महानिदेषक के करकमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गये। प्रतियोगिताओं के विजेताओं के राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कारों के अंतर्गत 'क' क्षेत्र स्थित हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला को तथा 'ग' क्षेत्र स्थित काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बंगलौर को उत्कृष्ट कार्य के लिए वर्ष 2014-15 का राजभाषा प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। समारोह का समापन श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। समापन समारोह में 100 से अधिक अधिकारी/वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

# Hindi Week commences at ICFRE

By OUR STAFF REPORTER

**DEHRADUN, 7 Sep:** Hindi Week is being observed at ICFRE from 7 to 14 September at the inspiration of Director General, ICFRE. The commencement of the Hindi Week was announced by ADG (Media and Extension) under the Directorate of Extension, ICFRE.

Five different events, namely 'Noting Drafting Competition'; 'Essay Competition'; 'English to Hindi Translation'; 'Hindi Typing on Computer' and 'Self Written Poetry Recitation' will be organised during the Week. The closing ceremony will be held on 14 September.

The closing ceremony will be solemnised by organizing a Self Written Poetry Recitation Competition and distribution of prizes to the winning contestants of different competitions organised during the Week.

The Noting Drafting Competition, the first in the row of competitions, was organised today in the Board Room of ICFRE.

# Hindi Week commences at ICFRE

*DEHRADUN, SEP 7 (HTNS)*

**Hindi Week is being observed at ICFRE, Dehradun from Sep 7 to 14. The commencement of the Hindi Week was declared by ADG (Media and Extension) under the Directorate of Extension, ICFRE, Dehradun.**

Five different events, namely 'Noting Drafting Competition'; 'Essay Competition'; 'English to Hindi Translation'; 'Hindi Typing on Computer' and 'Self Written Poetry Recitation' will be organized during the Week. The closing ceremony will be held on Sept 14. The closing ceremony will be solemnized by organizing a Self Written Poetry Recitation Competition and distribution of prizes to the winning contestants during the Week. Noting Drafting Competition, the first in the row of competitions, was organized today in the Board Room of ICFRE.

शाह टाइम्स

देहरादून, मंगलवार, 8 सितम्बर 2015 7

# एफआरआई में हिन्दी सप्ताह शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता

**देहरादून।** भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून में महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. की अनुमति से दिनांक 07 सितम्बर 2015 से हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में आज दिनांक 07 सितम्बर 2015 को शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) के मार्गदर्शन में सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा हिन्दी सप्ताह 2015 के प्रारम्भ होने की औपचारिक घोषणा की गई।

इस वर्ष हिन्दी सप्ताह के अंतर्गत टिप्पण लेखन प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता, अंगेजी से हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता, कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण प्रतियोगिता तथा स्वरचित काव्य पाठ इत्यादि 5 प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। सप्ताह के समापन समारोह का आयोजन दिनांक 14 सितम्बर 2015 को किया जाएगा। इस आयोजन में विभिन्न प्रतिभागियों द्वारा स्वरचित काव्यपाठ किया जाएगा एवं सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

## कई प्रतियोगिताओं का सप्ताहभर होगा आयोजन

हिन्दी सप्ताह समारोह के प्रथम सोपान के रूप में सोमवार को भावाअशिप के प्रमण्डल कक्ष में ''टिप्पण लेखन'' का आयोजन किया गया।